



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 255]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 27, 1982/भाद्र 5, 1904

No. 255

NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 27, 1982/BHADRA 5, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ स्थाया दी जाती है जिससे कि इह अलग सफलत के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

श्रम संत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 अगस्त, 1982

सा. का. नि. 545(अ).—केन्द्रीय सरकार मजदूरी सदाय अधिनियम 1936 (1936 का 1) की धारा 24 के साथ गठित धारा 26 की उपधारा (2) और (3) द्वारा उद्दन्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मजदूरी सदाय (नाम) नियम, 1956 का कठिनाई और सशोधन करना चाहती है। जैसा कि उक्त अधिनियम की धारा 26 की उपधारा (5) में उपेक्षित है, प्रभावित सशोधनों का निम्नलिखित प्रारूप उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है, उनमें प्रभावित होने वाली सम्भावना है। इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से तोन मास की अवधि की समाप्ति के पश्चात् विचार किया जाएगा।

इस प्रकार विनिर्दिष्ट तारीख से पूर्व नियमों के उच्च प्रारूप की बाबत जो भी आक्षेप किमी व्यक्ति में प्राप्त होग, केन्द्रीय सरकार उन पर विचार करेगी।

प्रारूप नियम

मजदूरी सदाय (नाम) सशोधन नियम, 1982।

1. इन नियमों का मूल्यनाम मजदूरी सदाय (नाम) सशोधन नियम, 1982 है।

2 (क) मजदूरी सदाय (नाम) नियम, 1956 के जिन द्वारा

649 GJ/82

इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है, नियम 2 मा खण्ड (च) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड उत्तराधिकार किया जाएगा, अर्थात् —(च) “उप-मूल्य अम आयूक्त” केन्द्रीय सरकार द्वारा इस हैमिङ्गत में नियुक्त अधिकारी अभिग्रहत है।

(ख) नियम 2 के खण्ड (टट), नियम 2क के उत्तराधिकार (1), (2), (3), (4), (5) और (6), नियम 9, नियम 10, नियम 11, नियम 13 के उपनियम (2) के परन्तुक, नियम 18 और उक्त नियमों के नियम 19 के उपनियम (1) मा, “प्रादेशिक अम आयूक्त” शब्दों के पश्चात् “(केन्द्रीय)” कोष्ठक और शब्द उत्तराधिकार किए जाएँगे।

3 नियम 3 के उप-नियम (6) और नियम 4 मा “मूल्य अम आयूक्त” शब्दों के स्थान पर “प्रादेशिक अम आयूक्त (केन्द्रीय)” शब्द और कोष्ठक रख जाएँगे।

4 उक्त नियमों के नियम 5 मा “मजदूरी का रजिस्टर प्रारूप 3 मे और कार्यस्थल पर, मजदूरी के भूगतान के रूप मे रखा जाएगा” के स्थान पर “मजदूरी का रजिस्टर प्रारूप 3 मा अद्यतन स्पष्ट मे रखा जाएगा और कार्यस्थल पर मजदूरी के भूगतान के मबद्दल मे रखा जाएगा।” और “मूल्य अम आयूक्त (केन्द्रीय)” शब्द के पश्चात् “प्रादेशिक अम आयूक्त (केन्द्रीय)” शब्द और कोष्ठक रख जाएँगे।

5 उक्त नियमों के नियम 5-स्थ. मे “मूल्य अम आयूक्त” शब्दों के स्थान पर “उप मूल्य अम आयूक्त (केन्द्रीय)” शब्द और कोष्ठक रख जाएँगे।

6. उक्त नियमों के नियम 6 के उपनियम (1) में “तीन वर्ष की अवधि तक ‘गिरक्षत गंवा जाएगा’ शब्दों के आगे” वाले शब्दों के आगे “तीन वर्ष की अवधि तक, कार्र स्थल पर या गंदि नियमक उमस्को कार्र स्थल पर रखने में कठिनाई अनुभव करे तो प्रदेशी अथवा आशुक्त (वन्दी) द्वारा इस नियमन उन्मोक्त जिसी अथवा सम्बन्धित स्थान पर ‘गिरक्षत गंवा जाएगा’ दोष ठक 312 द्वारा रखे जाएंगे।

7. उक्त नियम के नियम 8, उपनियम (1) में,—

(क) संण्ड (1) 312 (2) वा क्रमशः संण्ड (2) अंत में पूर्व संस्थापित किया जाएगा और इस प्रकार पूर्व संस्थापित संण्ड (2), वा पूर्व संस्थापित संण्ड अन्त अधित किया जाएगा, अर्थात्—

“(1) मजदूरी की अवधि जिसके लिए मजदूरी मद्देय है।”

(ख) संण्ड (3) के अंत में, “और” शब्द जोड़ा जाएगा;

(ग) संण्ड (3) के पश्चात् निम्नलिखित संण्ड जोड़ा जाएगा, अर्थात्—

“(4) ग्रामगत मजदूरी की अवधि को विनिर्दिष्ट करने हुए वह/वे दिन नियमों/जिनको असंदर्भ मजदूरी का संदाय किया जाता है।”

8. नियम 8 के अन्तात् निम्नलिखित नियम अंत मध्ये पित किया जाएगा, अर्थात्—

‘४क संबाध का पर्यवेक्षण

जब कभी नियोक्त द्वारा इस प्रकार निरुद्ध दिया जाए, नियोजक या कार्य स्थल पर उमस्का प्रतिरिधि सदाय की अधिसूचित तारीख को नियोक्त के पर्यवेक्षणाधीन, नियोन्त व्यक्तियों को मजदूरी का संदाय दियेगा।”

9. उक्त नियमों के नियम 17 के उपनियम (1) के परन्तु में “मुख्य अथवा आशुक्त” शब्दों के स्थान पर “उप-भूमा अथवा आशुक्त (केन्द्रीय)” शब्द अंतर कोष्ठक रखे जाएंगे।

10. उक्त नियमों के प्रम्प 5 मं, मद 3(क), (ख) 312 (घ) और मद 4 और 5 मं अंते बाले “400 रु.” अंकों के स्थान पर “1000 रु.” अंक रखे जाएंगे।

[प्रम. 31012/11/79-इन्व्य सी (पी डब्ल्यू)]
प्रम. के. विश्वाम, अधर गव्हन्मेन्ट

MINISTRY OF LABOUR

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th August, 1982

G.S.R. 545(E).—The following draft of certain rules further to amend the Payment of Wages (Mines) Rules, 1956 herein-after referred to as the said rules, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-sections (2) and (3) of section 26 read with section 24 of the Payment of Wages Act, 1936 (4 of 1936), is hereby published as required by sub-section (5) of section 26 of the said Act for information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after the expiry of three months from the date of the publication of this notification in the Official Gazette.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect of the said draft before the date so specified will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

The Payment of Wages (Mines) Amendment Rules, 1982

1. These rules may be called the Payment of Wages (Mines) Amendment Rules, 1982.

2. (a) In rule 2 of the Payment of Wages (Mines), Rules 1956, hereinafter referred to as the said rules, after clause (f) the following clause shall be inserted, namely :—

“(ff) “Deputy Chief Labour Commissioner (Central)” means an officer appointed as such by the Central Government;”

(b) in clause (kk) of rule 2, sub rules (1), (2), (3), (4), (5) and (6) of rule 2; rule 9; rule 10; rule 11, proviso to sub rule (2) of rule 12, rule 18 and sub-rule (1) of rule 19 of the said rules, after the words ‘Regional Labour Commissioner’ brackets and the words “(Central)” shall be inserted.

3. In sub-rule 6 of rule 3 and rule 4 for the words “Chief Labour Commissioner”, the words and brackets “Regional Labour Commissioner (Central)” shall be substituted.

4. In rule 5 of the said rules, the words, “up-to-date” shall be inserted between the words, ‘shall be maintained’ and ‘kept at the work spot’, and for the words, “Chief Labour Commissioner”, the words and brackets, “Regional Labour Commissioner (Central)” shall be substituted.

5. In rule 5B of the said rules, for the words, “Chief Labour Commissioner” the words and brackets, “Deputy Chief Labour Commissioner (Central)” shall be substituted.

6. In sub-rule (1) of rule 6 of the said rules, after the words, ‘make therein’ the words and brackets, “at the work spot or where the employer experiences difficulty in keeping them at the work spot, at other suitable place approved by the Regional Labour Commissioner (Central) in this behalf” shall be added.

7. In rule 8 of the said rules, in sub-rule (1)—

(a) clauses (i) and (ii) shall be renumbered as clauses (ii) and (iii) respectively and before clause (ii) so renumbered the following clause shall be inserted, namely :—

“(i) the wage period for which the wages are payable;”

(b) in clause (iii), the word “and” shall be added in the end;

(c) after clause (iii) the following clause shall be added, namely :—

“(iv) the day or days on which unpaid wages are to be paid, indicating the relevant wage period.”

8. After rule 8 the following rule shall be inserted, namely:—

“8A. Supervision of payment.—Whenever so directed by the Inspector, the employer or his representative at the work spot shall pay wages to the employed persons on the notified date of payment under the supervision of the Inspector.”

9. In the proviso to sub-rule (1) of rule 17 of the said rules for the words “Chief Labour Commissioner”, the words and brackets, “Deputy Chief Labour Commissioner (Central)”, shall be substituted.

10. In Form-V of the said rules, for the figures, “Rs. 400” appearing at items 3(a), (b) and (d) and items 4 and 5 the figures “Rs. 1000” shall be substituted.

[No. S-31012/11/79-WC(PW)]

S. K. BISWAS, Under Secy